

विविध वाद अभिलेख संख्या 7/99-2000 भूमि सुधार उपसमाहर्ता, गिरिडीह के न्यायालय में अंचल अधिकारी गण्डेय के द्वारा संघारित कर आवेदक रामू मंडल को पूर्व से कायम जमाबंदी को कायम कर लगान रसीद निर्गत करने की अनुमति दी गई तथा भूमि सुधार उपसमाहर्ता गिरिडीह को आदेश पारित करने हेतु भेजा गया है। इस वाद में रामू मंडल पिता पिरंगी मंडल मौजा पीपरासिंधा थाना गण्डेय जिला गिरिडीह आवेदक हैं। तथा शक्ति सिंह पिता _____ मौजा मरगो-मुंडा थाना गण्डेय जिला गिरिडीह प्रतिपक्षी हैं। इस वाद में अंचल अधिकारी से अभिलेख प्राप्त होने के बाद विभिन्न तिथियों को सूचना निर्गत की गई तथा प्रस्तुत वाद से संबंधित सारे राजस्व कागजात न्यायालय में दाखिल करने हेतु आदेश दिया गया। सुनवाई के समय सर्वप्रथम अभिलेख का अवलोकन किया गया। इस वाद में प्रश्नगत भूमि मौजा मरगोमुंडा थाना नं० 535 खाता नं० 2 प्लॉट नं० 54 रकबा 28.75 एकड़ कु रकबा में 3.30 एकड़ भूमि सुरक्षित वन क्षेत्र है।

इस सन्दर्भ में हल्का कर्मचारी के द्वारा मौजा मरगोमुंडा थाना नं० 535 खाता नं० 2 से संबंधित प्लॉटों का व्योरा निम्नवत दिया है :-

खाता नं०	प्लॉट नं०	सर्वे रकबा	अधिसूचित वन रकबा	शेष भूमि की स्थिति
2	50	20.85 ए०	20.39 ए०	0.046 ए० परती
	51	29.25 ,,	23.70 ,,	5.55 ए० शक्ति सिंह वगै० का दर्खत
	54	28.75 ,,	3.30 ,,	3.30 ए० विवादित भूमि
	55	41.40 ,,	36.81 ,,	4.59 ए० शक्ति सिंह वगै० का दर्खत
			104.40 ए०	
				15.95 एकड़

हल्का कर्मचारी ने प्रतिवेदित किया है कि यह भूमि टांड गढ़हा नाला के रूप में है। प्लॉट नं० 54 में वन सीमा को घटा देने के बाद 25.45 ए० रह जाता है। स्थानीय जांच के समय ग्रामीणों ने बताया कि पूर्व में रामू मंडल के दादा को भूतपूर्व जमीन्दार से बजरिये हुकुमनामा से 5.60 ए० फसली 1336 साल तुलो मंडल को प्राप्त हुआ। माल चार रूपया दो आना (4.12) अंकित किया गया है। इसकी सम्पुष्टि एवं जमाबंदी पुरानी राजस्व पंजी वर्ष 1954-55 में दर्ज है। तथा 1955 में लगान रसीद निर्गत कर प्रविष्टि की गई है एवं उसपर रामू मंडल के द्वारा प्लॉट नं० 54 एवं उक्त रकबा में दर्खतार एवं ज्ञात-आवाद करते थे। आवेदक को भूतपूर्व जमीन्दार जानकी सिंह द्वारा मौजा मरगोमुंडा के खाता नं० 2 प्लॉट नं० 54 रकबा 7 विगहा लगभग 5.60 ए० भूमि के पूर्वज तुलो मंडल के नाम से

द्वारा प्राप्त था एवं तुलो मंडल के नाम से वर्ष 1955 में को रसिद है।

13
28/12/12

13
28/12/12

इस सम्बन्धित बुझारत पंजी में भी को गई । इससे स्पष्ट होता है कि आवेदक
के दादा तुलो मंडल को बन्दोवस्ती को गई थी । बुझारत पंजी उसका सटीक
जमा है । साथ ही साथ लगातार खतियान में भी बन्दोवस्ती दिये जाने की
जमा उल्लेखित है । लेकिन उक्त अवधि से लगान रसीद बाकी रहा है जो विवाद
का कारण है ।

इस संदर्भ में अंचल अधिकारी ने प्रतिवेदित किया है कि आवेदक रामू
मंडल के द्वारा दिये गये आवेदन के आधार पर शक्ति सिंह के नाम से 15.50 एकड़
की जमाबंदी के मध्ये 9.20 एकड़ खाता नं० 2 एवं 18 मालगुजारी 3.87 अलावे
के जमाबंदी की जांच की गई । प्लॉट नं० 52, 53, 56, 41, 87 एवं 107
का रकबा 2.30 एकड़ माल 4.12 पैसा को सम्बन्धित बुझारत पंजी से शक्ति सिंह
को गई तथा खाता नं० 2 को विवादित प्लॉट नं० 54 एवं 51 के
जमाबंदी में विपक्षी का दावा है कि कर्मचारी ने लिखा है कि खाता नं० 1054 में
शक्ति सिंह वगैरह को 2.30 एकड़ भूमि बन्दोवस्ती को गई है जिसे Manipulation
कर रकबा बढ़ाकर 9.30 एकड़ कर दिया गया है जो बिलकुल नाजायज है । इस
बुझारत आवेदक के पूर्वज के नाम से कायम जमाबंदी 5.60 एकड़ पर विपक्षी रकबा
बुझारत दावा करते हैं । विपक्षी शक्ति सिंह 1955 से कायम है लेकिन किन-किन
प्लॉट के कायम है इसका विपक्षी ने कोई कागजात प्रस्तुत नहीं किया, सिर्फ खाता
नं० 2 को प्लॉट नं० 52, 53, 56 को सम्बन्धित बुझारत पंजी से होता है । इससे
स्पष्ट होता है कि विपक्षी शक्ति सिंह को जमाबंदी खाता नं० 2 में 2.30 एकड़
का जमाबंदी होनी चाहिए । लेकिन 9.20 एकड़ भूमि को मान्यता नहीं दी जा
सके है ।

शक्ति सिंह वगैरह उक्त मौजा के खाता नं० 2 प्लॉट नं० 50, 51, 55
निर्दिष्ट (undisputed) है । जिसमें शक्ति सिंह वगैरह का दखल है ।

तुलो मंडल को भूतपूर्व जमीन्दार ने मौजा मरगोमुंडा के खाता नं० 2
प्लॉट नं० 54 में रकबा 5.60 एकड़ भूमि बन्दोवस्त किया गया है जो सही है ।

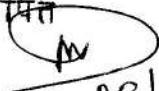
अंचल अधिकारी ने प्रतिवेदित किया है कि उभय पक्षों को सुनने के बाद
में लिखा है कि हल्का कर्मचारी एवं अंचल निरोधक के प्रतिवेदन से स्पष्ट होता है कि
राज मंडल वगैरह के नाम से राजस्व पंजी 11 में जमाबंदी कायम है एवं पूर्व से लगान
रसीद निर्गत हुई थी । वर्ष 1972-73 में 2.30 एकड़ को 9.20 एकड़ का निर्गत
रसा लिखा है, जो बिलकुल ही नाजायज है तथा खाता नं० 2 प्लॉट नं० 54 में मात्र
2.30 एकड़ भूमि ही प्राप्त थी । इसे बढ़ाकर 9.20 एकड़ करा लिया है । इस
बुझारत को हेरा-फेरी करने वाले कर्मचारी के विरुद्ध में आरोप लगे हैं

दोनों पक्षों के विद्वान अधिकारियों को सुनाया गया है कि आवेदक रामू मंडल के दावा को सिद्ध
का उद्बोधन किया में पाया गया कि आवेदक रामू मंडल के दावा को सिद्ध

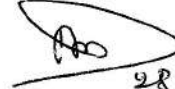
रसीद भी निर्गत की गई है । इसकी पुष्टि राजस्व पंजी ॥ एवं बुझारत पंजी से की गई है । अतः इसे कायम रखते हुए आवेदक रामु मंडल पिता फिरंगी मंडल के नाम से लगान रसीद निर्गत करने का आदेश दिया जाता है । साथ ही साथ शक्ति सिंह वगैरह के नाम से खाता नं० 18 में 9.20 एकड़ की जमाबंदी जो 2.30 एकड़ की भूमि को Manipulation कर बनाया गया है, उसे सुधार करने का आदेश दिया जाता है तथा क्विथी के नाम से मौजा मरगोमुंडा के खाता नं० 18 प्लॉट नं० 52, 53 एवं 56 ^{कुल} एकड़ 2.30 की जमाबंदी है, को सही पाकर मांग चालू रखने का आदेश दिया जाता है ।

अंचल अधिकारी गण्डेय द्वारा परित आदेश के आलोक में कार्रवाई करते हुए न्यायालय को सूचित करें ।

लेखा मित


28/12/2002

भूमि सुधार उपसमाहर्ता,
गिरिडीह ।


28/12/2002

भूमि सुधार उपसमाहर्ता,
गिरिडीह ।